Department of Sanskrit

येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो न
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता,
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।
साहित्यसंगीतकलाविहीनः,
साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः,
तृणं न खादन्नपि जीवमानः
तद् भागधेयं परमं पशूनाम्।

भाषण प्रतियोगिता में प्रिया प्रथम

संवाद सूत्र, कर्णप्रयाग : डा. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग में संस्कृत विभाग की ओर से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण में प्रिया प्रथम व सपना दूसरे स्थान पर रही, जबकि क्विज में प्रिया व पोस्टर में पल्लवी ने बाजी मारी। प्रभारी प्राचार्य डा. एमएस कंडारी ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर संस्कृत विभाग प्रभारी डा. चंद्रावती, डा. मृगांक मलासी, डा. हरीश बहुगुणा, डा. आर डंगवाल आदि मौजूद रहे।

संस्कृत अकादमी ने वर्चुअल माध्यम से किया कालिदास जयन्ती का आयोजन

गोपेश्वर (बद्री विशाल)। महाकवि कालिदास की जयंती पर रविवार को उत्तराखंड सांस्कृतिक अकादमी की ओर से चमोली जिले में ऑन लाइन विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है।

वर्चुअल माध्यम से आयोजित विचार गोष्ठी डॉ. मृगांक मलासी ने छात्रों को संस्कृत बोलने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि आप प्रारम्भ में यदि अशुद्ध भी बोलें तो चिन्ता न करें। आप संस्कृत का अभ्यास करते रहें। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ विश्वबंधु ने बताया कि कालिदास की कृतियां हमारे देश की श्रेष्ठता का परिचय देतीं हैं। कालिदास संस्कृत साहित्य में ही नहीं अपितु अन्य भाषा साहित्यों में भी सम्मानित हैं। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जनार्दन कैरवान ने संस्कृत साहित्य के मूर्धन्य कवि महाकवि कालिदास के मानवीय जीवन के वर्णन को उजागर किया। उन्होंने कहा कि उस समय का मानव जीवन विषम परिस्थितियों में भी सम एवं उदार था। विशिष्ट अतिथि डॉ. जितेंद्र ने कालिदास के कविव्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ओजस्वी कवि जीवन की सभी परिस्थितियों का वर्णन करने में समर्थ थे। वे प्रकृति से जुड़े थे एवं उनके पात्रों में भी प्रकृति प्रेम उभरता है। आगे विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्रावती टम्टा जी ने वन्य मानवीय जीवन पर प्रकाश डाला कि वन्य मानवीय जीवन नगरीय मानवजीवन से पृथक नहीं था। उनमें त्याग, दया, आतिथ्य सत्कार आदि सभी भावनायें विद्यमान थीं ।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ जोरावर सिंह जी ने कालिदास की कवि प्रतिभा का वर्णन करते हुए कहा कि वे प्रकृति की बेजान वस्तु में भी जान डालने में समर्थ थे। मेघदूत में मेघ द्वारा यक्ष अपनी विरह व्यथा को यक्षिणी तक प्रेषित करवाते हैं। डॉ. संदीप कुमार ने कालिदास के उपमा वर्णन की विशेषताओं प्रकाश डाला। उन्होंने कालिदास की उपमा अंग्रेजी साहित्य के प्रमुख नाटककार शेक्सपियर से की कालिदास के नाटक मानवजीवन की विशेषताओं को उजागर करते हैं। कार्यक्रम का में डॉ. मृगांक मलासी, हरीश बहुगुणा, डॉ. हरीश चन्द्र गुरुरानी, डॉ. रमेश चन्द्र भट्ट, डॉ. चन्द्रावती टम्टा, डॉ. नीरज पांगती, डॉ. हरीश बहुगुणा, डॉ. प्रवीण शमा आदि ने अपने विचार रखे।

कालिदास की कृतियां देश की श्रेष्ठता का परिचय

संवादसूत्र, कर्णप्रयाग: डा. शिवानंद नौटियाल राजकीय महाविद्यालय कर्णप्रयाग में कालिदास जयंती पर बेविनार आयोजित हुआ। उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संस्कृत अकादमी के डा. हरीश चंद्र गुरुरानी ने कहा कि प्राचीन भाषा संस्कृत आज भी प्रासंगिक है। डा. प्रवीण शर्मा संस्कृत अकादमी के डा. हरीश चंद्र गुरुरानी ने कहा कि प्राचीन भाषा संस्कृत आज भी प्रासंगिक है। डा. प्रवीण शर्मा ने मंगलाचरण कर श्रोताओं को संस्कृत में उद्बोधन से आनंद विभोर कर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. विश्वबंधु ने कहा कि कालिदास की कृतियां हमारे देश की श्रेष्ठता का परिचय देती हैं। मुख्य अतिथि के रूप में डा. जनार्दन कैरवान ने संस्कृत साहित्य के मूर्धन्य कवि महाकवि कालिदास के मानवीय जीवन के वर्णन को उजागर किया। विशिष्ट अतिथि डा. जितेंद्र ने के मूर्धन्य कवि महाकवि कालिदास के मानवीय जीवन के वर्णन को उजागर किया। विशिष्ट अतिथि डा. जितेंद्र ने कालिदास के कवि व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

न्यूज डायरी

कालिदास की जयंती पर वेबिनार का आयोजन

कर्णप्रयाग। पीजी कॉलेज में उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से कालिदास जयंती पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख वक्ता डॉ. जोरावर सिंह ने महाकवि कालिदास की कवि प्रतिभा का वर्ण करते हुए कहा कि वे प्रकृति की बेजान वस्तु में भी जान डालने में समर्थ थे। डॉ. प्रवीण शर्मा ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। डॉ. मृगांक मलासी ने छात्रों को संस्कृत बोलने के लिए प्रेरित किया। डॉ. विश्वबंधु ने बताया वि कालिदास की कृतियां हमारे देश की श्रेष्ठता का परिचय देतीं हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. जितेंद्र ने कालिदास के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौवे पर डॉ. हरीश चंद्र गुररानी, डॉ. चंद्रावती टम्टा, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मृगांक मलासी, हरीश बहुगुणा, डॉ. रमेश भट्ट, डॉ. नीरज पांगती, डॉ. हरीश बहुगुणा और डॉ. प्रवीण शर्मा मौजूद थे। संवाद

डॉ० शिवानन्द नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
कर्णप्रयाग, उत्तराखण्ड
संस्कृत विभाग
आर० डी० एण्ड डी० जे० कॉलेज
मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित सप्तदिवसीया कार्यशाला
दिनांक – 30 जुलाई 2022 (शनिवार) से 05 अगस्त (शुक्रवार) 2022 तक सायंकाल 5.00 से 6.30 बजे तक
पण्डितराज जगन्नाथ का काव्यशास्त्रीय अवदान
(रसगङ्गाधर – प्रथम आनन के सन्दर्भ में)
05 अगस्त 2022 – समापन समारोह
अध्यक्षता
प्रो० महावीर अग्रवाल
प्रति-कुलपति
पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार
मुख्यातिथि
प्रो० जगदीश प्रसाद सेमवाल
सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर एवं
आधुनिक संस्कृत साहित्यकार
विशिष्ट अतिथि
प्रो० गिरीशचन्द्र पन्त
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली
सारस्वत अतिथि
प्रो० ऋतुबाला
विश्वेश्वरानन्द विश्वबन्धु संस्कृत एवं भारत
भारती अनुशीलन संस्थान, होशियारपुर
कार्यशाला प्रशिक्षक
डॉ० जोरावर सिंह
राजकीय महाविद्यालय
फरीदाबाद, हरियाणा
संयोजक
डॉ० विश्वजीत विद्यालंकार
विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग
आर० डी० एण्ड डी० जे० कॉलेज
मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर
संयोजक
डॉ० मृगांक मलासी
सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग
डॉ० शिवानन्द नौटियाल राजकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कर्णप्रयाग, उत्तराखण्ड
सह-संयोजक
डॉ० कृपाशंकर पाण्डेय
सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग
आर० डी० एण्ड डी० जे० कॉलेज
मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर
सह-संयोजक
डॉ० हरीश बहुगुणा
सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग
डॉ० शिवानन्द नौटियाल राजकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कर्णप्रयाग, उत्तराखण्ड
समन्वयक
डॉ० चन्द्रावती टम्टा
विभागाध्यक्षा, संस्कृत विभाग
डॉ० शिवानन्द नौटियाल राजकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कर्णप्रयाग, उत्तराखण्ड
कार्यशाला लिंक – https://meet.google.com/egw-ambr-vgt
विशेष सानिध्य :-
डॉ० जगदीश प्रसाद, प्राचार्य
डॉ० शिवानन्द नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कर्णप्रयाग, उत्तराखण्ड
डॉ० गोपाल प्रसाद यादव, प्राचार्य
आर० डी० & डी० जे० महाविद्यालय,
मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर

ईज़माय ट्रिप ने साल-दर-साल वित्तीय वर्ष 2023 की प्रथम तिमाही के परिणामों में 125 प्रतिशत लाभवृद्धि दर्शायी

देहरादून (नि०स०)। बीएसई 543272 और एनएसई मे सूचीबद्ध ईजमाय ट्रिप ने अपने वित्तीय वर्ष की शुरुआत मुनाफे से की है, जो कि स्थापना के बाद से एक सिद्धांत रहा है। यह तिमाही एक बार फिर ईजमाय ट्रिप के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुई है। ईजमाय ट्रिप ने अपने अस्तित्व के 14वें वर्ष का जश्न मनाया,जो वास्तव में ब्रांड के लिए गर्व का क्षण है। कंपनी ने ग्राहकों के लिए मेगा सेल की घोषणा करके और उन्हें प्रशंसा पत्र के रूप में छूट देकर अपनी वर्षगांठ मनाई। ईज़माय ट्रिप हमेशा एक ग्राहक-केंद्रित कंपनी रही है जहां ग्राहक हमेशा रिसीविंग एंड में होते हैं और बाजार की बढ़ती जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, यही कारण है कि ब्रांड नवाचार करता रहता है और उसने स्टैंडर्ड चार्टर्ड के साथ एक सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य कार्ड धारकों को उनकी सेवाओं का उपयोग करते समय बहु-लाभ प्राप्त करने की अनुमति देना है। ईज़माय ट्रिप ने प्रथम तिमाही के अंतिम वित्तीय वर्ष2023 के लिए अपने सकारात्मक साल-दर-साल परिणामों की घोषणा की, जो कि 125 प्रतिशत है साथ ही तिमाही-दर-तिमाही 45.36 प्रतिशत लाभ दर्शाया गया है। यह कंपनी न केवल भारत के पहले 100 यूनिकॉर्न लास्ट फेशियल के विशिष्ट क्लब में शामिल होते हुए, शेष बूट स्ट्रैप्ड के साथ (ऐसी कंपनी जिसमें फाउंडर का ही पैसा लगा होता है, किसी बाहरी इनवेस्टर का पैसा नहीं) लगातार लाभदायक भी रही, बल्कि इस तिमाही में सकल बुकिंग राजस्व जनरल रेवेन्यू बॉन्ड (जीबीआर) में 366 प्रतिशत की वृद्धि प्रथम तिमाही के अंतिम वित्तीय वर्ष 2022 और प्रथम तिमाही के अंतिम वित्तीय वर्ष 2023में साल-दर- साल आईएनआर 14.9 करोड़ से आईएनआर 33-7 करोड़ द्वारा कर के बाद लाभ (पीएटी)के साथ आईएनआर 356.7 करोड़ से आईएनआर 1,663.1 करोड़ हो गई।

गौला रेंज के वन क्षेत्राधिकारी आरपी जोशी गौला नदी में चैनल निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

लालकुआं (रिम्पी बिष्ट)। तराई पूर्वी वन प्रभाग के गौला रेंज के वन क्षेत्राधिकारी आरपी जोशी गौला नदी में चैनल निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के दौरान अचानक नदी में आए तेज प्रवाह की चपेट में आकर नदी में बह गये, जिन्हें उनके अधीनस्थ वन कर्मियों ने अपनी जान में खेलकर बमुश्किल बचाया, इस दौरान जहां वन क्षेत्राधिकारी चोटिल हो गये, वहीं उन्हें बचाने के चक्कर में दो वन कर्मी भी मामूली रूप से जख्मी हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम लगभग 4ः30 बजे गौलारेंज के वनक्षेत्राधिकारी आरपी जोशी अपने स्टाफ के साथ बिन्दुखत्ता क्षेत्र में इंद्रानगर के सामने गौला नदी में पानी के बहाव को पश्चिम से पूरब की ओर करने हेतु डायवर्जन चैनल का निर्माण कार्य करवा रहे थे, इसी दौरान गौला नदी में पानी का प्रवाह अचानक तेजी से बढ़ने लगा जब तक वन क्षेत्राधिकारी कुछ समझ पाते तब तक पानी के तीव्र बहाव ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया और वह अचानक नदी में बहने लगे,वन क्षेत्राधिकारी आरपी जोशी को नदी में बहता देख उनके साथ खड़े उनके अधीनस्थ वनकर्मियों में शामिल उप राजिक प्रमोद सिंह बिष्ट, वन दरोगा भूपाल सिंह जीना, बीट अधिकारी पान सिंह मेहता एवं नीरज रावत द्वारा उनको बहता देख नदी में कूद मार दी और बमुश्किल रेस्क्यू कर पानी के तेज बहाव से उन्हें बाहर निकाला। नदी के तीव्र बहाव में बहने के चलते वन क्षेत्राधिकारी गौला को पानी में तीन-चार पलटी लगने से हाथ व पैर में काफी चोटें आई हैं, तथा उनका चश्मा व टोपी भी पानी में बह गये एवं मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गया, क्षेत्राधिकारी गौला को नदी से बाहर निकालने के दौरान वन दरोगा भूपाल सिंह जीना को भी मामूली चोट आई हैं। नदी से बाहर निकालकर वन क्षेत्राधिकारी आरपी जोशी का उपचार कराया गया।

राजकीय इंटर कॉलेज लालकुआं बना अराजकता का केंद्र

लालकुआं (रिम्पी बिष्ट)। रिम्पी बिष्ट राजकीय इंटर कॉलेज लालकुआं इन दिनों अराजकता का केंद्र बना हुआ है, स्कूली छात्र आए दिन कॉलेज के मुख्य द्वार एवं रास्तों में झुंड बनाकर अक्सर लड़ाई झगड़ा करते देखे जा सकते हैं। गत दिवस छात्रों के दो गुटों में हुए संघर्ष में 2 छात्र जख्मी भी हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर में स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में इन दिनों छात्र प्रातः विद्यालय खुलते समय, उसके बाद मध्यांतर एवं छुट्टी के समय अक्सर झगड़ा करते देखे जा सकते हैं, यहां तक कि उक्त छात्र गुट बाहरी लड़कों को लाकर भी झगड़ों को अंजाम दे रहे हैं। गत दिवस दो गुटों के बीच हुए संघर्ष में 2 छात्र मामूली रूप से जख्मी हो गए। इस संबंध में विद्यालय के नवनिर्वाचित प्रधानाचार्य कमलेश खर्कवाल का कहना है कि वर्तमान में विद्यालय में स्थानांतरण प्रक्रिया चल रही है, उन्हें कुछ ही दिन हुए हैं लालकुआं का चार्ज संभाले हुए, अभी तक उन्हें झगड़े की सूचना नहीं मिल पाई है। भविष्य में वह इस तरह की घटनाओं में अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। वहीं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार का कहना है कि पुलिस को इंटर कॉलेज में झगड़े की कोई सूचना नहीं मिल पाई है, इसके बावजूद कल से विद्यालय समय में कॉलेज के मुख्य द्वार पर पुलिस गश्त लगाई जाएगी। इधर जुलाई माह में जब से विद्यालय खुला है छात्र रोजाना अराजकता का माहौल बनाए हुए हैं। बाहरी तत्वों का विद्यालय में आना जाना निर्बाध रूप से जारी है।

हृदयेश कुमार को पुलिस ने किया जिला बदर

हल्द्वानी (रिम्पी बिष्ट)। पुलिस की नाक में दम करने वाले दमुवाढूंगा निवासी हृदयेश कुमार को पुलिस ने जिला बदर कर दिया है। कल देर रात काठगोदाम पुलिस ने उसे जिले की सीमा से बाहर ले जाकर छोड़ दिया। हृदयेश कुमार यूथ कांग्रेस में भी प्रदेश स्तरीय पद भी था। हाल ही में वार्ड नंबर 37 निवासी एक व्यक्ति ने उसके खिलाफ धमकी देने का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था, बाद में उसे जमानत मिली। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद एसएसपी ने उसे जिला बदर करने के आदेश जारी किए थे। उस पर विभिन्न धाराओं में 14 मुकदमें दर्ज हैं। कल रात काठगोदाम पुलिस ने उसे जिले की सीमा से बाहर ले जाकर छोड़ दिया। उसे नैनीताल जिले की सीमा से बाहर उधमसिंह नगर के पंतनगर थाना क्षेत्र की सीमा में छोड़ दिया गया। अब उसका छह महीने तक नैनीताल जिले की सीमा में घुसना प्रतिबंधित रहेगा।

पण्डितराज जगन्नाथ का योगदान न केवल संस्कृत साहित्य में अपितु विश्व साहित्य में अतुलनीय: रमेश चंद्र भारद्वाज

कर्णप्रयाग(नि०स०)।संस्कृत विभाग डॉक्टर शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग उत्तराखंड एवं मुनीर विश्वविद्यालय बिहार के संयुक्त तत्वावधान में पण्डितराज जगन्नाथ का काव्यशास्त्रीय अवदान रसगंगाधर के सन्दर्भ में इस विषय पर सप्त दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30 जुलाई को प्रारम्भ हुआ। 5 अगस्त तक चलने वाली इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष महर्षिवाल्मीकि विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलपति, प्रोफेसर रमेश चंद्र भारद्वाज जी ने कहा कि पण्डितराज का योगदान न केवल संस्कृत साहित्य में अपितु विश्व साहित्य में अतुलनीय है। वे काव्यशास्त्र के एक प्रौढ़ विद्वान थे। उन पर कार्यशाला का आयोजन निस्संदेह डॉ. मृगांक मलासी एवं उनकेसमस्त साथियोंका उत्तम कार्य है। मुख्य अतिथि के रूप में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप मेंविदेशों में भी अपनी सेवा दे चुके प्रो. एन.सी पंडा जी वैदिक शोध संस्थान होशियारपुर पंजाब ने कहा कि पण्डितराज का योगदान समस्त वाङ्मय में उल्लेखनीय है उन पर और भी अधिक शोधकार्य किए जाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृत साहित्य के मूर्धन्य विद्वान प्रोफेसर सुमन कुमार झा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ नईदिल्ली ने पण्डितराज जगन्नाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य सदैव समाज को अनुशासित करता आया है। आज साहित्य का न पढ़ा जाना समाज को गलत दिशा में ले जा रहा है। इसके अतिरिक्त काव्यशास्त्र केमहत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर भी उन्होंने चर्चा की। कार्यशाला प्रशिक्षक डॉक्टर जोरावर सिंह हरियाणा ने कार्यशाला का विधिवत पाठन प्रारम्भ किया। विशिष्टवक्ता केरूप में डॉ सुदर्शन गोयल, सहायक आचार्य राजस्थान ने कहा कि संस्कृत की महत्ता को कमतर करके आंकना हमारी महान भूल है जो हमें गर्तकी ओर धकेल रही है। हमें अपने शास्त्रों का संवर्धन करने की

आवश्यकता है। समस्त कार्यक्रम मेंविशेष सान्निध्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जगदीश प्रसाद जी का प्राप्त हुआ उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में इस प्रकार की अकादमिक कार्य को बढ़ावा दिया जा रहा है। अन्य विषय को पढ़ने वाले लोग भी इससे परिचित होगें। कार्यशाला के समन्वयक के रूप में संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ चंद्रावती टम्टा जी रही जिन्होंने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला का संयोजक संस्कृत विभाग के आचार्य डॉक्टर मृगांक मलासी ने किया तथा संयोजक डॉ हरीश बहुगुणा करेंगे। तकनीकी समन्वयक के रूप में डॉ. मदन लाल शर्मा एवं श्री कीर्तिराम डंगवाल जी उपस्थित रहे। सात दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला मे 500 से अधिक विद्वान एवं छात्र -छात्राएँ सम्पूर्ण देश से जुड़ेगें।

'स्वर्गीय श्री जगेंद्र स्वरूप एक युगपुरुष' : डॉ संजीव चोपड़ा

देहरादून (नि०स०)। दिनांक 30 जुलाई 2022 को डीएवी पीजी कॉलेज में दयानंद शिक्षा संस्थान के पूर्व महासचिव स्वर्गीय श्री जगेंद्र स्वरूप जी की 8वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री अकेडमी मसूरी के पूर्व निदेशक डॉ. संजीव चोपड़ा जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वर्गीय श्री जगेंद्र स्वरूप जी का स्मरण किया और शिक्षा के क्षेत्र में स्वरूप परिवार तथा उनके योगदान की चर्चा की। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ के आर जैन ने दयानंद शिक्षा संस्थान के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और स्वर्गीय श्री जगेंद्र स्वरूप जी की गरिमामय सहयोग को स्मरण करते हुए शिक्षा क्षेत्र के महानतम व्यक्तियों में से एक बताया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की संस्कृति समिति की अध्यक्षा डॉ अनुपमा सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर हरिओम शंकर ने किया। इस अवसर पर कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ दिनेश कुमार, डॉ नवदीप भटनागर, डॉ डीके त्यागी डॉ यू एस राणा, डॉ शशि किरण सोलंकी, श्रीमती संध्या जैन, डॉक्टर अतुल सिंह डॉक्टर जसवल डॉ रीना चंद्र डॉ रवि शरण ,डॉ अनूप मिश्रा डॉ विवेक, डॉक्टर चांदपुरी डॉ शिखा नागलिया , सहित शिक्षक शिक्षिकाएं, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बीजेपी सांसदों के असंसदीय आचरण के विरोध में यूथ काग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया पुतला दहन

हल्द्वानी (रिम्पी बिष्ट)। कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी के साथ स्मृति ईरानी तथा बीजेपी सांसदों के असंसदीय आचरण के विरोध में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। भारी बरसात में छाता लगाकर कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के बीच महानगर अध्यक्ष हेमन्त साहू की अगवाई में पुतले को आग के हवाले किया गया।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेत्री स्मृति ईरानी मुर्दाबाद सोनिया गाँधी जिंदाबाद के नारे लगाये।इस मौके महानगर अध्यक्ष हेमन्त साहू ने कहा कि संसद परिसर में सोनिया गांधी के साथ किया गया दुर्व्यवहार बेहद निंदनीय व अस्वीकार्य है। जिस महिला ने दो-दो बार प्रधानमंत्री की कुर्सी को त्याग दिया हो। आज उस महिला के साथ एक झूठीए महिला सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सोनिया गांधी के साथ संसद में अभद्र व्यवहार कर संसद की गरिमा को लांघ कर जो अपना परिचय दिया वह बेहद शर्मनाक है। सोनिया एक महान शख्सियत और सुलझी हुई महिला हैं, वह अपनी संसदीय मर्यादा को बखूबी जानती हैं। इस मौके पर युवा नेता सचिन राठौर ने कहा स्मृति ईरानी सोनिया जी से जब तक माफी नही मांगती तब तक यूथ कांग्रेस चुप नही बैठेगी।

पुतला दहन करने वालों मोनू कुमार चौहान, सचिन राठौर, सेम राजपूत, मयंक गोस्वामी, रितिक कुमार, अरबाज खान, नाजिम अंसारी सन्दीप, भिसोड़ा आदि शामिल थे।

नगीना कॉलोनी बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा रूद्रपुर कूच किये जाने की तैयारी हुई पूरी

लालकुआं (रिम्पी बिष्ट)। आज महान क्रांतिकारी ऊधम सिंह के 31 जुलाई शहीदी दिवस के अवसर पर इन्टरार्क मजदूर संगठन के द्वारा सिडकुल के धरना स्थल पर प्रातः 11.00 बजे से सभा में सैकड़ो की संख्या में मजदूर, किसानों सहित कई क्षेत्रों के लोग पहुँचेंगे और धरना स्थल से डीएम का कार्यालय तक रैली निकालकर शहीद उधम सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे ।वही कार्यक्रम में इन्टरार्क मजदूर संगठन, सामाजिक संगठन, कई ट्रेड यूनियन, छात्र संगठन, महिला संगठन, किसान संगठन, नगीना कॉलोनी बचाओ संघर्ष समिति लालकुआँ, सिडकुल संयुक्त मोर्चे से जुड़ी कई सारी यूनियन रैली में शामिल होकर शहीद उधम सिंह की जीवनी को ताजा करेंगे और महिलाओं व बच्चों के साथ कार्यक्रम में भागीदारी कर कार्यक्रम को सफल बनाएंगें ।

पण्डितराज जगन्नाथ का योगदान न केवल संस्कृत साहित्य में अपितु विश्व साहित्य में अतुलनीय: रमेश चंद्र भारद्वाज

कर्णप्रयाग (नि०स०)। संस्कृत विभाग डॉक्टर शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग उत्तराखंड एवं मुंगेर विश्वविद्यालय बिहार के संयुक्त तत्वावधान में पण्डितराज जगन्नाथ का काव्यशास्त्रीय अवदान रसगंगाधर के सन्दर्भ में इस विषय पर सप्त दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30 जुलाई को प्रारम्भ हुआ। 5 अगस्त तक चलने वाली इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलपति, प्रोफेसर रमेश चंद्र भारद्वाज जी ने कहा कि पण्डितराज का योगदान न केवल संस्कृत साहित्य में अपितु विश्व साहित्य में अतुलनीय है। वे काव्यशास्त्र के एक प्रौढ़ विद्वान थे। उन पर कार्यशाला का आयोजन निस्संदेह डॉ. मृगांक मलासी एवं उनके समस्त साथियों का उत्तम कार्य है। मुख्य अतिथि के रूप में विज़िटिंग प्रोफेसर के रूप में विदेशों में भी अपनी सेवा दे चुके प्रो. एन.सी पंडा जी वैदिक शोध संस्थान होशियारपुर पंजाब ने कहा कि पण्डितराज का योगदान समस्त वाङ्मय में उल्लेखनीय है उन पर और भी अधिक शोधकार्य किए जाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृत साहित्य के मूर्धन्य विद्वान प्रोफेसर सुमन कुमार झा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली ने पण्डितराज जगन्नाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य सदैव समाज को अनुशासित करता आया है। आज साहित्य का न पढा जाना समाज को गलत दिशा में ले जा रहा है। इसके अतिरिक्त काव्यशास्त्र के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर भी उन्होंने चर्चा की। कार्यशाला प्रशिक्षक डॉक्टर जोरावर सिंह हरियाणा ने कार्यशाला का विधिवत पाठन प्रारम्भ किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ सुदर्शन गोयल, सहायक आचार्य राजस्थान ने कहा कि संस्कृत की महत्ता को कमतर करके आंकना हमारी महान भूल है जो हमें गर्त की ओर धकेल रही है। हमें अपने शास्त्रों का संवर्धन करने की

आवश्यकता है। समस्त कार्यक्रम में विशेष सान्निध्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जगदीश प्रसाद जी का प्राप्त हुआ उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में इस प्रकार की अकादमिक कार्य को बढ़ावा दिया जा रहा है। अन्य विषय को पढ़ने वाले लोग भी इससे परिचित होगें। कार्यशाला के समन्वयक के रूप में संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ चंद्रावती टम्टा जी रही जिन्होंने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला का संयोजक संस्कृत विभाग के आचार्य डॉक्टर मृगांक मलासी ने किया तथा संयोजक डॉ हरीश बहुगुणा करेंगे। तकनीकी समन्वयक के रूप में डॉ. मदन लाल शर्मा एवं श्री कीर्तिराम डंगवाल जी उपस्थित रहे। सात दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला मे 500 से अधिक विद्वान एवं छात्र –छात्राएँ सम्पूर्ण देश से जुड़ेगें।